Written by B4M
Thursday, 17 March 2011 08:59

काफी समय से ववािदों से घरिे प्रसार भारती की बुधवार को 101वीं बोर्ड मीटगिं हुई. जसिमें काफी समय से लंबति चल फंडगिं, खाली पदों की भर्ती, पदोन्□नति, संचालन जैसे कई महत्□वपूर्ण मसले पर चर्चा हुई. सभी मामलों को हल करने के लि□ रूपरेखा तय की गई. बोर्ड ने प्रसार भारती के कामकाजी की आर्थकि समीक्षा के लि□ ऑडटिर नयिुक्□त करने का फैसला कयिा है, जसिके अधकिार और कार्य पहले से ही सुनशि्चति होंगे.

पूंजी से जुड़े □क अहम फैसले में बोर्ड ने प्रसार भारती के मौजूदा फंडगिं ढांचे की जगह □क नया फंडगिं पैटर्न तैयार करने की योजना बनाई है. जसिके अंतर्गत कर्मचारयिों की वेतन □वं भत्□ते से जुड़े सौ प्रतशित खर्चे व ऑपरेशन से जुड़े पचास प्रतशित खर्च सरकार वहन करेगी, जबकि प्रसार भारती के कार्यान्वयन के बाकी बचे पचास प्रतशित खर्च की जम्मिेदारी और रेडयिो व दूरदर्शन के कार्यक्रमों की सौ प्रतशित खर्च की जम्मि□मेदारी बोर्ड उठा□गा.

बोर्ड ने प्रसार भारती के 196 पदों पर कर्मचारयिों की नयिुक्ति व प्रमोशन से जुड़े मामलों का मुद्दा भी सरकार के पास भेजना तय कयिा है□ दरअसल, प्रसार भारती के कर्मचारयिों से जुड़ा यह मुद्दा तभी से लंबति चल रहा है, जबसे प्रसार भारती का गठन हुआ है. उल्□लेखनीय है कि इस मामले को लेकर कई बार दूरदर्शन और रेडयिो के कर्मचारी हड़ताल भी कर चुके हैं.

प्रसार भारती की जम्मिेदारयिों और अधकिारों को लेकर भी सवाल उठे. जसिके बाद बोर्ड ने मौजूदा बलि में कई संसोधनों का प्रस्□ताव रखा है. मीटगिं में दूरदर्शन व रेडयिो के महानदिेशकों के खाली पदों पर भर्ती प्रक्रयिा शीघ्र पूरा करने का नरि्णय लयिा गया. बोर्ड ने आर्थकि सुधारों के लि□ □म्पावरमेंट कमटिी को आर्थकि अधकिार देने का फैसला भी लयिा है.